HIN1A05a – Séance N° 9
Le présent actualisé

Séquence 1
- ये लोग क्या कर रहे हैं?
- यह अंतिम क्रिया-कर्म की रस्म है, अस्थियाँ बहाने से पहले करते हैं।
- तो हम क्यों नहीं कर रहे ?
- हम इसलिए नहीं कर रहे क्योंकि हम मुसलमान हैं और यह सिख गुरुद्वारा है

अंतिम (a) ultime, dernier ; क्रिया-कर्म (m) rites funéraires; रस्म (f) cérémonie, coutume, rituel ; अस्थि (f) os, restes humains ; बहाना (t) faire flotter/couler (disperser)

Séquence 2
- मल्होत्रा। ख़ुद अपने ही घर में चोरों की तरह क्यों घुस रहे हो तुम ?
- Hi hi hi !
- What's hi hi hi ?

चोर (m) voleur ; की तरह (pp) comme, à la manière de ; घुसना (i) pénétrer dans, entrer par force

Séquence 3
- Nandani !
- जी, आ रही हूँ।

Séquence 4
- यह सब क्या हो रहा है ? सुबह सुबह इतनी आवाज़ क्यों ?

इतना (a/adv) tant, autant, si, tellement ; आवाज़ (f) voix, son, bruit

Séquence 5
- मोहन, हे मोहन। बड़े कुंभकर्ण की नींद।
- कावेरिया माँ, क्यों जगा रही हो ? बहुत दिनों से इतनी गहरी नींद नहीं सोया।
- चल उठ जा। बहुत काम है। मेहमान ग्यारह बजे आ रहे हैं। घर की साफ़ सफ़ाई करनी है।
- क्या हो रहा है ? कौन आ रहा है ?
- देख बेटा, गीता को देखने लड़केवाले आ रहे हैं।
- क्या ?
- आज़मगढ के रहनेवाले हैं।
- गीता की शादी ?
- हाँ।
- गीता की शादी ।

कुंभकर्ण personnage mythologique du Rāmāyana. Frère de Rāvana, démon d'une taille gigantesque, « avec des oreilles en forme de pot », condamné par Brahmā à dormir éternellement et à ne se réveiller qu'une fois tous les six mois. नींद (f) sommeil, बजे à traduire par « heures » (part. acc. du verbe बजना [i] sonner, servant à indiquer l'heure, ex. दो बजे हैं « il est deux heures »), मेहमान (m) invité